

30-7-2015

पत्रावली भाजि शांति लोक अदालत के पेश हुनी वाली के वकील इनाशियल परिवारीजज का जवाब दवा शुरू के बाद के युक्त ही वाली वकील का खुला गया। पत्रावली एवं इस पर उपलब्ध दस्तावेजों का इन्वोल्वमेंट किया गया। नमूने जमानती शब्द 2066

के 2071 वरने ग्रुप शब्दों के फरजी का 2358, 2359, 2223, 2232, 2251 1-18, 0-51, 0-51, 0-04, 0-24।

2258 शमकरण व हनुमान सिंह तारापठ 1-60

सोम मीना शां देव की खालेदारी के दर्जे व परिवारी द्वारा बाद में उपस्थित होता तथा जवाब दवा शुरू न करना वाली के बाद का परेक शमर्शन ही अतः बाद वाली जिसे किया जाकर परिवारी

नं। के एपेक्षा-2 के लिये जेडिपे (खामी निषेधात्मक से प्रबन्ध किया जाता है कि वे किसी-के खालेदारी व उनके अस्तित्व के फरजी शब्द 2358, 2359, 2223, 2232 1-18, 0-51, 0-51, 0-04, 0-04।

2251, 2258 हेम्बर वरने ग्रुप शब्दों 0-24, 1-60

तदखिल इतिहास के किसी भी प्रकार से दरखलंदाजी नहीं करे। पत्रावली जारी ही परिसर शब्द अफता-2 वदन करें। पत्रावली फिलतमुफत होकर नमूने के रूप ही तथा दफ्तर वाखिल ही।

Handwritten signature

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी उनियारा जिला टोंक
(डिकी मुकदमा इब्तदाई)

उनुवान

रामकरण पुत्र नारायण जाति मीना निवासी सूथडा हाल बलोगी तहसील मुवाली जिला मुवाली(चण्डीगढ)
- वादी

बनाम

1.रुकमा पुत्री घासीराम जाति मीना निवासी भुक्वा (मलारना डुंगर) हाल निवासी सूथडा तहसील उनियारा
जिला टोंक


2.तहसीलदार तहसील उनियारा जिला टोंक

-प्रतिवादीगण

दावा बाबत स्थायी निषेधाज्ञा

मुकदमा नम्बर :- 64 वर्ष 2012

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रुबरु श्री सुभाषचन्द शर्मा, आर0ए0एस0 ब
हाजरी श्री बी0यू0 खान वकील वादी मिनजानिब मुद्दई व वकील मिनजानिब मुद्दायलह..... पेश होकर
हुक्म दिया जाता है व डिगरी दी जाती है प्रतिवादी न0 1 को हमेशा हमेशा के लिये जरिये स्थायी निषेधाज्ञा
पाबन्द किया जाता है कि वे वादी के खातेदारी व कब्जे काश्त की आराजी ख0न0 2358/1.58, 2359/0.
51, 2223/0.41, 2232/ 0.04, 2251/0.24, 2258/1.60 वाके ग्राम सूथडा तहसील उनियारा मे किसी
प्रकार से दखलंदाजी नहीं करे। फरिकेन खर्च अपना अपना वहन करे।
बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 30 माह 07 सन् 2015 को जारी की
गई।


उपखण्ड अधिकारी
उनियारा जिला टोंक